VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
R NO.
N 17 SEP 2017 03
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 873)

Name of Candidate	RHEECHA RATNAM		
Medium Eng./Hindi	HINDI	Registration Number	4680
Center	RAJENDRA NAGAR	Date	17/09/2017

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	25	
14	25	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are FOURTEEN questions printed in ENGLISH & HINDI
   इसमें चौदह पश्न हैं अंग्रजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. **(a)** The more remotely power is exercised from the people, the greater is the distance between authority and accountability. Discuss. 10

(a) जितना लोगों से सत्ता का प्रयोग दूर होगा, उतना ही अधिक प्राधिकारी और जवाबदेही के बीच अंतर होगा। चर्चा कीजिए।

→ सत्ता का केंद्रीकरण, लोकतंत्र की दृष्टि से उचित नहीं है।

भारतीय राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान, महात्मा गांधी ने 'स्वराज्य' व 'ग्राम पंचायतों' के महत्व पर विशेष बल दिया था।

• सत्ता का केंद्रीकरण, एक समस्या क्यों?

(i) शासक वर्ग व जनता के मध्य दूरी बढ़ती है, जिससे शासकवर्ग, जनता की समस्याओं से अवगत नहीं हो पाते।

(ii) सरकार द्वारा निर्मित, विभिन्न कानून, ऊपर से आरोपित प्रतीत होते हैं, क्योंकि इनके निर्माण पूर्ण जनता की सलाह नहीं ली जाती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) लोकतंत्र के अंतर्गत, ध्यन भागीदारी, बेहद महत्वपूर्ण है, तथा यह प्रक्रिया दो-पक्षीय होनी चाहिए।

• हाल के वर्षों में सुशासन की अवधारणा में ध्यन प्रतिनिधित्व पर बल दिया जा रहा है।

* भारत में ध्यन-भागीदारी हेतु, उठाए गए कदम :-

(i) सूचना का अधिकार
(ii) नागरिक चार्टर
(iii) अधिनियम विनिर्माण पूर्व, उसके प्रारूप को, सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करना।

यह प्रगतिशील कदम है, जो ध्यन भागीदारी सुनिश्चित करेगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** "If you want others to be happy, practice compassion. If you want to be happy, practice compassion". In what ways can a compassionate public official be more useful for realizing public service goals? 10

(b)"यदि आप दूसरों को प्रसन्न रखना चाहते हैं, तो करुणावान बनें। यदि आप प्रसन्न रहना चाहते हैं तो करूणा अपनाएं।" किस प्रकार से एक करुणावान लोक सेवक सार्वजनिक सेवा के लक्ष्यों को साकार करने के लिए अधिक उपयोगी हो सकता है?

→ द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने अपनी रिपोर्ट में, लोक सेवकों के लिए आवश्यक मूल्यों में, करुणा को भी सम्मिलित किया है।

- करुणा का अर्थ है, सुभेद्य वर्ग के प्रति, व जन साधारण के प्रति दया भावना रखना।
- एक लोकसेवक के लिए आवश्यक है कि, वह करुणावान हो, क्योंकि इसी प्रकार वह नागरिकों के कल्याण हेतु उचित कदम उठा पाएगा।
- उदाहरण :- बाढ़ के दौरान, विभिन्न लोगों द्वारा कई प्रकार की समस्याओं का सामना किया जाता है। एक करुणावान लोकसेवक, इस दौरान, जन कल्याण हेतु हमेशा तत्पर रहेगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- भारतीय दर्शनों के मूल में, करुणा का मूल्य, प्राचीन काल से रहा है। उदाहरण :- बोधिसत्व
- एक करुणावान अधिकारी, लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को विकसित करने में समर्थ है; जो उसे स्वयं भी आत्मसंतोष प्रदान करेगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** The recent decision by the government to ban use of red beacons is only a symbolic gesture and a lot more needs to be done to end the VIP culture in India. Critically discuss. 10

(a) लाल बत्ती के प्रयोग पर प्रतिबन्ध सम्बन्धी सरकार का हालिया निर्णय केवल एक प्रतीकात्मक संकेत हैं और भारत में वीआईपी संस्कृति समाप्त करने के लिए बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। आलोचनात्मक रूप से चर्चा कीजिए।

→ भारत में वीआईपी संस्कृति का चलन, आम बात है। न सिर्फ मंत्री, नेता, अधिकारी, बल्कि कई बार अनेक संबंधियों द्वारा भी इसका पालन किया जाता है।

* भारत में वीआईपी संस्कृति :-

(i) तरजीह देने की प्रवृत्ति :-
- विभिन्न स्थानों पर, आयोजनों में आम लोगों की जगह, खास लोगों को प्रमुखता दी जाती है, जो वीआईपी संस्कृति का उदाहरण है।
उदाहरण :- मंदिरों में अलग से पंक्ति।

(ii) सड़कों पर ट्रैफिक रोककर, वीआईपी लोगों की गाड़ियों को जगह दिया जाता था।
- इस प्रक्रिया में, एंबुलेंस तक को नहीं छोड़ा जाता, जो निंदनीय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

घटना है।

(iii) वीआईपी लोगों द्वारा विभिन्न नियमों व प्रक्रियाओं का अपने लाभ हेतु अनुचित प्रयोग संबंधी उदाहरण, भी वीआईपी संस्कृति से संबंधित है।

स्पष्ट है कि वीआईपी संस्कृति का प्रचलन भारत में व्यापक रूप से है, व इसे दूर करने हेतु, अभी कई कदम उठाने की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) To what extent can financial incentives help shape attitude towards social issues? Discuss with relevant examples. 10

(b) किस हद तक आर्थिक प्रोत्साहन सामाजिक मुद्दों के प्रति अभिवृत्ति को आकार देने में सहायता कर सकते हैं? प्रासंगिक उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए।

→ अभिवृत्ति, एक प्रकार की मन से संबंधित भावना है, जिसके द्वारा किसी व्यक्ति / वस्तु / विषयों के संबंध में सकरात्मक व नकरात्मक मूल्यांकन किया जाता है।

* भारत में विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर अभिवृत्ति परिवर्तन हेतु, आर्थिक प्रोत्साहन देना प्रारंभ किया गया है:-

(i) लड़कियों को शिक्षा प्रदान करने के संबंध में; विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में नकरात्मक अभिवृत्ति रही है।

— हाल के वर्षों में विभिन्न राज्य व सरकारों ने लड़कियों को शिक्षा हेतु विभिन्न आर्थिक प्रोत्साहन देने संबंधी नीति अपनाई है।

उदाहरण:- बिहार में लड़कियों को, मुफ्त यूनिफॉर्म, साईकिल, नि:शुल्क पुस्तकें व कई नकद प्रोत्साहन दिया जाता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) केंद्र सरकार 'स्वच्छ भारत अभियान' के अंतर्गत 'खुले में शौच की प्रवृत्ति' के उन्मूलन हेतु, BPL परिवारों को शौचालय निर्माण हेतु, अलग से राशि प्रदान करती है।

स्पष्ट है कि आर्थिक प्रोत्साहन का अभिवृत्ति परिवर्तन पर सकारात्मक परिणाम पड़ने संबंधी उदाहरण उपस्थित है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) At times, moral behaviour can be constrained by the complexity of legal system. Explain. In this context, explain the purpose of legal protection for good samaritans in the case of road accidents. 10

(a) कई बार, नैतिक व्यवहार कानूनी प्रणाली की जटिलता के चलते निरूद्ध हो सकता है। व्याख्या कीजिये। इस संदर्भ में, सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में संकट के समय सहायता देने वाले अच्छे व्यक्तियों (good samaritans) के लिए कानूनी संरक्षण के उद्देश्य को समझाएं।

→ नैतिकता व कानून, दोनों ही व्यक्ति के आचरण को नियंत्रित करते हैं।

हालांकि कई बार नैतिक मूल्यों के कारण, किसी व्यक्ति की सहायता करना, कानूनी रूप से मुश्किल सिद्ध हो जाता है। फलस्वरूप लोग, अनजान व्यक्तियों की सहायता हेतु तत्पर नहीं रहते व धीरे-धीरे असंवेदनशील हो जाते हैं।

- भारत में सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों का प्रतिशत, विश्व में सर्वाधिक है।
- इनमें से कई मौतें, उचित चिकित्सा न मिलने के कारण हो जाती हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

· सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को यदि तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान की जाए, तो उनकी जान बच सकती है; लेकिन, भारत में ऐसी दुर्घटनाओं के वक्त सहायता करने वाले व्यक्ति, कानूनी प्रक्रिया में पड़ने से बचना चाहते हैं।

– आवश्यक है कि good samaritans को, उनके कार्य हेतु प्रोत्साहित किया जाए व उन्हें कानूनी प्रक्रिया में न पड़ने दिया जाए, ताकि नैतिक मूल्य व व्यवहार, कानूनी जटिलता के आगे निरुद्ध न हों।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) Examine the different ethical issues involved in the use of public shaming as a punitive measure. Do you think this is an appropriate measure to address the problem of rising crime rates. 10

(b) दंडात्मक उपाय के रूप में सार्वजनिक रूप से लज्जित करने (public shaming) जैसे उपायों से जुड़े विभिन्न नैतिक मुद्दों का परीक्षण कीजिए। क्या आप मानते हैं कि बढ़ते अपराध दर की समस्या हल करने के लिए यह उपयुक्त उपाय है।

→ सार्वजनिक रूप से लज्जित करने संबंधी उपाय, प्राचीन काल से ही प्रचलन में हैं। हालांकि आधुनिक न्यायिक व्यवस्था की स्थापना पश्चात् यह प्रक्रिया कम हो गई है।

* सार्वजनिक रूप से लज्जित करने से जुड़े नैतिक मुद्दे :-

(i) व्यक्ति के निष्पक्षता के अधिकार का हनन होता है।

(ii) व्यक्ति के परिवार को, सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ सकता है।

• बढ़ते अपराध दर से निपटने हेतु, विशेषकर बार-बार अपराध करने वालों को, सार्वजनिक रूप से लज्जित किया जा सकता है, हालांकि यह व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बेहतर होगा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु उत्तरदायी एजेंसियां अपना कार्य बेहतर तरीके से करें व प्रौद्योगिकी के उपयोग आदि अपराध की दर को नियंत्रित करें।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** Why did Gunnar Myrdal use the term 'soft state' in the context of South Asia? Do you think such a characterisation is still relevant in the case of India today? 10

(a) गुन्नार मिर्डल ने दक्षिण एशिया के संदर्भ में 'मृदु राज्य' का प्रयोग क्यों किया है ? क्या आप मानते हैं कि इस प्रकार का विशेषीकरण आज के भारत के संदर्भ में भी प्रासंगिक है?

→ 'मृदु राज्य', सांस्कृतिक रूप से प्रभावशाली राज्यों हेतु प्रयुक्त किया जाता है, जो अपनी आर्थिक व सैन्य शक्ति की जगह ज्ञान, कौशल, संस्कृति इत्यादि के प्रसार द्वारा विशिष्ट वैश्विक प्रभुत्व स्थापित करती है।

– दक्षिण एशियाई देश – भारत, पाकिस्तान, • सैन्य शक्ति संपन्न देश हैं, इसके बावजूद इनका प्रभुत्व सैन्य बल का आधारित नहीं है।

– दक्षिण एशियाई देश, अभी विकासशील अवस्था में, तथा प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मंचों - UN, वर्ल्ड बैंक इत्यादि में इनकी भागीदारी व भूमिका नगण्य है।

* क्या भारत एक मृदु देश है ?

पक्ष ! – (i) भारतीय संस्कृति का

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

पश्चिमी देशों में प्रसार - वेदांत दर्शन इत्यादि।
(ii) पश्चिमी देशों में 'योगा' का प्रचलन व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाना।
(iii) भारतीय फिल्मों का अंतर्राष्ट्रीय बाजार व्यापक व उनका प्रभाव भी
(iv) भारतीय छात्रों का विदेशों में बड़ी कंपनियों में नियामक
विपक्ष :-
(i) हाल के वर्षों में भारत, तीव्र आर्थिक संवृद्धि दर से विकसित हो रहा है।
(ii) विश्व का विशालतम लोकतंत्र, बड़ी सेना, परमाणु आयुधों का निर्माण।
(iii) अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में अद्वितीय सफलता - प्रथम प्रयास में मंगलयान भेजना।
स्पष्ट है कि भारत, अपनी अंतर्राष्ट्रीय पहचान सुदृढ़ कर रहा है, जो सिर्फ (मृदु) शक्ति से संबंधित नहीं है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) Intolerance can be linked both to prejudices and value judgments. Elaborate with relevant examples. Also discuss how intolerance can be countered in a multicultural society like India. 10

(b) असहिष्णुता को पूर्वाग्रह और मूल्यानुमानों (value judgments) दोनों से जोड़ा जा सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों के साथ सविस्तार वर्णन कीजिए। साथ ही चर्चा कीजिए कि भारत जैसे बहुसांस्कृतिक समाज में असहिष्णुता का प्रतिकार कैसे किया जा सकता है।

→ असहिष्णुता का अर्थ है, अपने से भिन्न धर्म, भाषा, संस्कृति व रीति-रिवाज, मानने वाले व्यक्तियों के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति रखना।

• असहिष्णुता के अंतर्गत कोई व्यक्ति, अपने से भिन्न व्यक्ति के साथ भेदभाव करता है।

– असहिष्णुता, पूर्वाग्रहों व मूल्यानुमानों से प्रभावित होती है।

उदाहरण :- भारत में हाल के वर्षों में मुस्लिमों ~~के~~ के प्रति दुर्व्यवहार संबंधी घटनाओं में वृद्धि हुई है। देश का बहुसंख्यक समुदाय उन्हें गौ-मांस खाने वाला व देश के विभाजन हेतु जिम्मेदार मानता है; फलस्वरूप पूर्वाग्रह से ग्रसित निर्दोष मुस्लिमों को मार-पीटा जाता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस आन में कुछ ना लिखें)

भारत, जिसे गाँधीजी ने, अद्वितीय कहा था क्योंकि विभिन्न धर्मों के लोगों को इसने आत्मसात कर, एक नई पहचान दी, हमेशा से सहिष्णु देश रहा है।

* भारत में असहिष्णुता का प्रतिकार कैसे?

(i) परिवार में, स्कूलों व कॉलेजों में शिक्षा में सहिष्णुता के मूल्यों को सम्मिलित कर।

(ii) प्राचीन संस्कृति से उदाहरण लेकर लोगों को समझाना।

(iii) असहिष्णुता प्रदर्शित करने वाले व्यक्तियों की सार्वजनिक निंदा।

(iv) समाज के विभिन्न समुदायों के मध्य मित्रतापूर्ण संबंध स्थापित करने हेतु, जन-प्रतिनिधियों, लोक सेवकों व पुलिस को आगे आना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Social attitude towards corruption has become more forgiving with time leading to a view of illegal gains and misappropriation of public assets as a "rightful" individual prerogative. Analyse in the context of India. 10

समय के साथ भ्रष्टाचार के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण अधिक क्षम्य बन गया है जिससे "उचित" व्यक्तिगत विशिष्टाधिकार के रूप में गैर-कानूनी लाभों और सार्वजनिक परिसंपत्तियों के दुर्विनियोग का मार्ग प्रशस्त हुआ है। भारत के संदर्भ में विश्लेषण कीजिए।

→ भ्रष्टाचार को अक्सर, शक्ति के दुरुपयोग द्वारा धन कमाने या निजी हित हेतु, सार्वजनिक राशि का प्रयोग करने के संदर्भ में परिभाषित किया जाता है।

- भारत में भ्रष्टाचार का विस्तार हो रहा है, जिसका एक प्रमुख कारण नैतिक मूल्यों का ह्रास भी है।
- इसके अतिरिक्त भ्रष्टाचार के आरोपी व्यक्ति को सजा मिलने में होने वाली देरी व उचित दंड की अनुपस्थिति, कहीं न कहीं इसकी सामाजिक स्वीकार्यता को बढ़ाने का कार्य कर रही है।
- भारत में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988 के अंतर्गत सजा पाए व्यक्तियों के उदाहरण बेहद कम हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ इसके अतिरिक्त भारत में भ्रष्टाचार दीवानी अपराध हैं, फौजदारी नहीं, फलस्वरूप लोग अधिक दंड देकर छूट जाते हैं।

द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने अपनी रिपोर्ट में, भारत में बढ़ते भ्रष्टाचार पर चिंता जताई थी, व निम्नलिखित उपाय सुझाए थे :-

(i) मंत्रियों, सांसदों, लोकसेवकों हेतु नैतिक संहिता का निर्माण।

(ii) भ्रष्टाचार की त्वरित जांच व निश्चित समय सीमा के अंदर दंड।

आवश्यक है कि भारत में भ्रष्टाचार की चुनौती से निपटने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What are the factors which draw people to public service? Suggest measures to keep public servants motivated. 10

लोगों को लोक सेवा की ओर आकर्षित करने वाले कारक क्या हैं? लोक सेवकों को प्रेरित रखने के उपाय सुझाइए।

→ भारत की युवा जनसंख्या का एक बड़ा वर्ग, लोक सेवाओं में चयनित होने हेतु प्रयासरत रहता है।

* निम्नलिखित कारण, भारत में लोगों को लोक-सेवा हेतु आकर्षित करते हैं:-

(i) प्रशासन प्रक्रिया का भाग बनकर, लोग जनकल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर कार्य करने की भावना से प्रभावित रहते हैं।

(ii) आत्मसंतोष की भावना, जो लोक सेवा में अन्य सेवाओं के अतिरिक्त अधिक है।

(iii) कार्यों में विविधता।

(iv) नाम व समाज में प्राप्त प्रतिष्ठा।

* भारत में लोक सेवकों को प्रेरित रखने हेतु निम्नलिखित कदम उठाने की आवश्यकता है:-

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(i) अच्छा काम करने वालों को उचित प्रोत्साहन।

(ii) समय-समय पर लोक सेवकों को, व उनके कार्यों को सम्मानित करना, सार्वजनिक स्तर पर रखना।

(iii) लोक सेवकों में नैतिक मूल्यों के विकास को प्रोत्साहन देना।

लोक सेवक, जनता व सरकार के मध्य एक पुल का कार्य करते हैं, तथा उचित प्रोत्साहन द्वारा उनकी क्षमता का प्रयोग लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना हेतु किया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Corporate Governance provides a framework that defines the rights, roles and responsibilities of various groups within an organization. (a) Elaborate the need to incorporate the principles of Corporate Governance to enhance the effectiveness of the public sector enterprises. (b) Identify the challenges specific to the public sector when it comes to the application of good practices of corporate governance. 10

कॉर्पोरेट गवर्नेंस वह ढांचा प्रदान करता है जो संगठन के भीतर विभिन्न समूहों की भूमिकाएं, अधिकार और उत्तरदायित्व परिभाषित करता है। (a) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस के सिद्धांतों को समाविष्ट करने की आवश्यकता का सविस्तार वर्णन कीजिए। (b) जब कॉरपोरेट गवर्नेंस की अच्छी पद्धतियों के अनुप्रयोग की बात आती है तो सार्वजनिक क्षेत्र के लिए विशिष्ट चुनौतियों की पहचान कीजिए।

→ कॉर्पोरेट गवर्नेंस की अवधारणा, 1929 के वैश्विक मंदी पश्चात सामने आई।

— भारत में, हाल के वर्षों में कॉरपोरेट गवर्नेंस का प्रचलन बढ़ा है, विशेषकर निजी क्षेत्रों में।

— केंद्र सरकार भी, कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत कॉरपोरेट गवर्नेंस को बढ़ावा दे रही है।

(a) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम, खराब प्रबंधन व घाटे की

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखो)

समस्या से जूझते रहते हैं।

- इन कंपनियों में कॉरपोरेट गवर्नेंस प्रबंधन क्षमता विकसित करने में नुकसान होगा, जिससे करदाताओं का पैसा, उचित उद्यमों में लगेगा।

(b) → कॉरपोरेट गवर्नेंस व सार्वजनिक क्षेत्र की चुनौती :-

(i) दक्ष अधिकारियों की कमी।

(ii) निजीकरण संबंधी संदेह।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Emotions, earlier considered as an irrational factor in decision-making, are now recognised as a critical factor of judgment. In this regard, answer the following questions: (a) How can Emotional Intelligence help in coping with the intense pressure and occupational stress faced by police officers and armed forces in discharge of their duties? (b) What are the some of the concerns in incorporating and assessment of emotional intelligence skills in public service? 10

भावनाओं को, जिन्हें निर्णय लेने में पहले एक अतार्किक कारक माना जाता था, अब निर्णय का महत्वपूर्ण कारक माना जाता है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) अपने कर्तव्यों का निर्वहन में पुलिस कर्मियों और सशस्त्र बलों द्वारा सामना किए जाने वाले तीव्र दबाव और कार्य सम्बन्धी तनाव (occupational stress) का मुकाबला करने में भावात्मक प्रज्ञता (Emotional Intelligence) किस प्रकार सहायता कर सकती है?

(b) लोक सेवा में भावात्मक प्रज्ञता कौशल को समाविष्ट करने और आंकलन सम्बन्धी कुछ चिंताएं क्या हैं?

(a) → भावनात्मक बुद्धिमता (EI), के अंतर्गत भावनाओं को बौद्धिक चिंतन से जोड़ने पर बल दिया जाता है।

* पुलिस कर्मी, सशस्त्र बल कर्मी व भावनात्मक बुद्धिमता :-

(i) अपनी भावनाओं - क्रोध, दुःख इत्यादि को मानसिक चिंतन से जोड़कर उन्हें समझना।

(ii) भावनाओं को व्यक्त करने से पूर्व, उनका प्रबंधन, इन्हें अपना कार्य समुचित तरीके से करने में सहायता प्रदान करेगा। उदाहरण :- जनता के उग्र रवैये को देखकर, तुरंत

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कार्यवाही न करना, बल्कि उनके कम गुस्से का कारण जानना।

(iii) मानसिक तनाव, B.P., अवसाद जैसी समस्याएँ कम होंगी।

(b) लोक सेवा में EI के संबंध में चुनौतियां :-

(i) लोक सेवक विशेष परिस्थितियों में सरकार की जगह जनता की मांगों के साथ सहानुभूति रख सकते हैं।

उदाहरण :- भूमि अधिग्रहण के संबंध में आदिवासियों के विरोध के प्रति सहानुभूति।

(ii) कई बार उग्र भीड़ को नियंत्रित करने हेतु बल प्रयोग आवश्यक हो जाता है, ऐसी परिस्थिति में लोकसेवक नैतिक दुविधा का सामना कर सकते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. You, a manager in one of the top IT firms in the country, are tasked with hiring new recruits for an upcoming project. You find that the company has given tacit instructions of not hiring female candidates in view of the new maternity law passed by the Government. You find this highly objectionable and lodge a protest with people in the higher management but they are firm as they want to cut down all the unnecessary costs.
Based on this information, answer the following questions:

(a) Identify the stakeholders and their interests in the situation.

(b) What are the dilemmas that a recruiting manager may face in such a scenario?

(c) What are the different options available to you? Which one will you pursue and why? 20

आप देश की एक शीर्ष आईटी कंपनी के प्रबंधक हैं। आपको आगामी परियोजना के लिए नई भर्तियां करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। आप पाते हैं कि सरकार द्वारा पारित किए गए नवीन मातृत्व कानून के आलोक में कंपनी ने महिला अभ्यर्थियों की भर्ती न करने का अकथित निर्देश दिया गया है। आप इसे अत्यधिक आपत्तिजनक पाते हैं और प्रबंधन के उच्च अधिकारियों से विरोध जताते हैं, लेकिन वे दृढ़ हैं क्योंकि वे सभी अनावश्यक व्यय में कमी करना चाहते हैं।

इस जानकारी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) इस स्थिति में हितधारकों और उनके हितों की पहचान कीजिए।

(b) वे धर्मसंकट क्या हैं जिनका ऐसी परिस्थिति में भर्ती प्रबंधक द्वारा सामना किया जा सकता है?

(c) आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं? आप किसका अनुसरण करेंगे और क्यों?

→ हाल ही में पारित मातृत्व अधिलाभ अधिनियम, महिलाओं को 24 हफ्तों का मातृत्व अवकाश प्रदान करता है।
– इस अधिनियम का उद्देश्य, श्रम बल में लैंगिक समानता की नीति को प्रोत्साहन देना है, तथा माता व बच्चे के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्वास्थ्य का ध्यान रखना है।

· संबंधित प्रश्न में अंतर्निहित मुद्दे निम्नलिखित है :-

(i) उद्योग जगत में व्याप्त लैंगिक भेदभाव।

(ii) अनु॰ 14 के अंतर्गत प्रदत्त समानता के अधिकार का उल्लंघन।

(iii) नियुक्ति में, योग्यता की जगह कंपनी के लाभ को महत्व देना।

(iv) नैतिक दुविधा (कर्तव्यनिष्ठा बनाम सामाजिक उत्तरदायित्व)

(a) → इस स्थिति में, विभिन्न हितधारक निम्नलिखित है :-

(i) कंपनी के अधिकारी कंपनी, नऊ मातृत्व अवकाश अधिनियम के अंतर्गत अवकाश देकर, अपने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वित्तीय संसाधनों पर बोझ नहीं डालना चाहती तथा, वह अपने कर्मचारियों को अनावश्यक अवकाश नहीं देना चाहती।

(ii) अभ्यार्थी - विशेषकर महिला अभ्यार्थी, जिन्हें कंपनी के लैंगिक भेदभाव की नीति का सामना करना पड़ेगा

(iii) कंपनी - हो सकता है कि कंपनी, (योग्यता पर आधारित नियुक्ति न करने के कारण), आने वाले वर्षों में विभिन्न चुनौतियों का सामना करें, जो उसके लाभ व छवि हेतु नुकसानदेह होगा।

(b) → ऐसी स्थिति में भर्ती प्रबंधक द्वारा सामना की जा रही दुविधाएँ निम्नलिखित होंगी :-

(i) नैतिक दुविधा (कर्तव्यनिष्ठा बनाम सामाजिक उत्तरदायित्व)

(ii) अपने नैतिक मूल्यों के विरुद्ध कार्य करना, जिससे उसे आत्मग्लानि होगी।

(iii) भारतीय संविधान का उल्लंघन व कानून का उल्लंघन करने से अपनी हताशा।

(c) ⇒ भर्ती प्रबंधक के रूप में, मेरे पास उपलब्ध विकल्प निम्नलिखित है-

(i) कंपनी के निर्देशों के अनुसार भर्ती प्रक्रिया का संचालन करना।

गुण :- कंपनी के दिशा-निर्देशों के अधीन होगा, जो कि कर्मचारी के रूप में मेरे हित में होगा।

दोष :- यह नैतिक व कानूनी दृष्टि से गलत कदम होगा जहां भर्ती प्रक्रिया में योग्यता को तरजीह नहीं दी गई।

(ii) कंपनी के उच्च अधिकारी, यदि दृढ़ है, तो इस मुद्दे को सार्वजनिक करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गुण :- अपने मूल्यों के अनुकूल व्यवहार, विरोध करना, आत्मसंतोष प्रदान करेगा
दोष :- संभव है कंपनी मुझे सेवा से निकाल दे।

(iv) इसमें से सबसे अच्छा विकल्प, होगा, मेरे द्वारा इस कंपनी में नौकरी को छोड़कर किसी दूसरी कंपनी में नौकरी करना।

गुण :- अपने नैतिक मूल्यों के अनुकूल व्यवहार करने में सक्षम रहूंगा, जिससे शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य सही रहेगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. There has been a perceptible rise in the cost of healthcare services provided by private hospitals. In absence of adequate and quality government hospitals, people are forced to opt for private hospitals, especially for life threatening diseases and injuries. You recently visit one of your friends admitted in a famous private hospital. You found out that the hospital is charging a huge amount of money, which seems to be unreasonable. You confront the staff and ask them to explain the rationale behind such high charges.

Their response is that the charges are fair for the kind of services they are providing.

(a) What are the ethical issues involved in this situation?

(b) Given how other professions price their services, discuss the feasibility of capping the amount of fees charged by doctors and private hospitals.

(c) How can the provision of quality services and need for profit be reconciled with society's interests in this case? 20

निजी अस्पतालों द्वारा प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में सुस्पष्ट वृद्धि हुई है। पर्याप्त और गुणवत्ता पूर्ण सरकारी अस्पतालों के अभाव में, लोग निजी अस्पतालों का विकल्प चुनने के लिए विवश हैं, विशेषकर जीवन के लिए खतरनाक बीमारियों और चोटों हेतु। आप हाल ही में एक प्रसिद्ध निजी अस्पताल में भर्ती अपने मित्र से मिलने जाते हैं। आपको पता चलता है कि अस्पताल बड़ी धनराशि वसूल रहा है जो आपको अनुचित या आवश्यकता से अधिक प्रतीत होता है। आप कर्मचारियों से बातचीत करते हैं और उनसे इस प्रकार के उच्च शुल्क के पीछे का तर्क समझाने के लिए कहते हैं।

उनकी प्रतिक्रिया यह है कि उनके द्वारा जिस प्रकार की सेवाएँ प्रदान की जाती हैं उसके लिए यह शुल्क उचित है।

(a) इस स्थिति से जुड़े नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) यह देखते हुए कि अन्य व्यवसाय अपनी सेवाओं का मूल्य कैसे तय करते हैं, चिकित्सकों और निजी अस्पतालों द्वारा आरोपित शुल्क की राशि पर सीमा निर्धारित करने की व्यवहार्यता पर चर्चा कीजिए।

(c) इस प्रकरण में गुणवत्ता परक सेवाओं के प्रबंध और लाभ की आवश्यकता का समाज के हितों के साथ सामंजस्य कैसे स्थापित किया जा सकता है?

→ भारत में, हाल के वर्षों में, महंगी चिकित्सा सेवाओं (out of pocket expenditure) संबंधी समस्या गंभीर होती जा रही है। महंगी चिकित्सा सेवाओं के कारण, कई लोग अपनी आर्थिक स्थिति गंवा बैठते हैं व अस्पतालों में इस संबंध में कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है।

(i) इस स्थिति से जुड़े नैतिक मुद्दे हैं :-

(a) नैतिक दुविधा (अस्पतालों का लाभ बनाम सामाजिक उत्तरदायित्व।

(b) चिकित्सा सेवा में घटते नैतिक मूल्यों का संकेत

— चिकित्सकों की आचरण संहिता व हिपोक्रेटिक शपथ के विरुद्ध जाकर, अपने पेशे से लाभ कमाना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) वंचित व सुभेद्य वर्ग के प्रति करुणा व समानुभूति के मूल्यों में गिरावट।

(b) → भारत में, निजी अस्पतालों द्वारा आरोपित शुल्क की राशि पर सीमा निर्धारित करने के संबंध में जुड़ी चुनौती निम्नलिखित है:-

(i) भारत में विशेषका - तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं हेतु, जनसंख्या का बड़ा तबका, निजी स्वास्थ्य सेवाओं पर निर्भर है।

(ii) निजी अस्पताल, गुणवत्तापूर्ण सेवा मुहैया कराने के नाम पर अधिक शुल्क वसूल करते हैं, जिसपर सीमा लगाने से संभव है कि वे लाभ कमाने का कोई और तरीका ढूंढ लें।

— हाल ही में केंद्र सरकार ने स्टेंट की कीमतें निर्धारित की हैं, व छूटने के प्रत्यारोपण से जुड़ी

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शल्य चिकित्सा शुल्क पर भी अधिकतम सीमा आरोपित की है।

यदि केंद्र सरकार इन सेवाओं को अधिकतम सीमा निर्धारित करती है; तो संभव है कि इसका लाभ जनता को प्राप्त होगा।

(C) → गुणवत्तापूर्ण सेवाओं को प्रदान करना व लाभ की आकांक्षा का समाज के हितों के साथ सामंजस्य स्थापित करना, एक चुनौतीपूर्ण कार्य है।

(i) भारत में सरकारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, अवसंरचना की कमी व गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने में असफल रही है।

(ii) निजी क्षेत्र का प्राथमिक उद्देश्य लाभ कमाना होता है।

• गांधीजी ने अपने 7 सामाजिक पापों की संकल्पना में 'चरित्र बिना सिद्धांत' व 'मानवता बिना विज्ञान' को सम्मिलित किया था।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चिकित्सा लक्ष्य व्यक्ति को न्यासी बनाना था, लोभी नहीं।

• सुझाव :-

(i) केंद्र सरकार, सार्वभौम चिकित्सा बीमा योजना आदि, चिकित्सा सेवाओं पर होने वाले व्यय का अधिभार साझा कर सकती है।
- इससे निजी अस्पतालों की लाभ की आवश्यकता व समाज के हितों के मध्य सामंजस्य स्थापित हो सकता है।

(ii) सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के अंतर्गत कंपनियां, स्वास्थ्य सेवाओं (गुणवत्तापूर्ण) को आम लोगों तक पहुंचाने में सफल हो सकती हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are the District Magistrate in a district where a significant number of transgenders reside. While discrimination against the community is well known, commuters increasingly complain of harassment at their hands, especially at traffic junctions where transgenders are mostly involved in begging. This, at times, also leads to traffic management issues. You have received a number of complaints in this regard and have to act quickly to resolve it. However, a group of transgender associations argue that begging is their only source of livelihood.

Given the situation, answer the following questions:

(a) Describe the ethical issues involved in this case. Discuss the attitude of people towards transgenders in general and reasons for the same.

(b) What possible courses of action can be undertaken in such situations? Discuss their merits and demerits. 20

आप ऐसे जिले में जिला मजिस्ट्रेट हैं जहां ट्रांसजेंडर की बड़ी संख्या रहती है। यद्यपि इस समुदाय के विरूद्ध भेदभाव सुविदित है, तथापि यात्री उनके हाथों, विशेषकर यातायात जंक्शनों पर अधिकाधिक उत्पीड़न की शिकायत करते हैं, जहां ट्रांसजेंडर अधिकांशतः भीख मांगने में शामिल होते हैं। कभी-कभी, इससे यातायात प्रबंधन की समस्या भी पैदा होती है। इस संबंध में आपको कई शिकायतें मिली हैं और इसे हल करने के लिए शीघ्र कार्रवाई करनी है। हालांकि, ट्रांसजेंडर संघ के एक समूह का कहना है कि भीख मांगना उनकी आजीविका का एकमात्र स्रोत है।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण से जुड़े नैतिक मुद्दों का वर्णन कीजिए। ट्रांसजेंडर लोगों के प्रति जनसामान्य के सामान्य दृष्टिकोण और उसके कारणों पर चर्चा कीजिए।

(b) ऐसी स्थिति में क्या संभव कार्रवाई की जा सकती है? उनके गुणों और अवगुणों पर चर्चा कीजिए।

→ भारतीय समाज के सर्वाधिक वंचित वर्गों में से एक ट्रांसजेंडर समुदाय है।

- आजीविका के पर्याप्त साधन न होने के कारण, ट्रांसजेंडर वर्ग अक्सर अनैतिक कार्यों - भीख मांगने में लिप्त रहता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(9) → इस स्थिति से जुड़े नैतिक मुद्दे निम्नलिखित हैं :-

(i) सामाजिक भेदभाव की उपस्थिति
(ii) ट्रांसजेंडरों के संबंध में समाज की नकारात्मक अभिवृत्ति

* ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति जनसामान्य का दृष्टिकोण व संबंधित कारण :-

(i) उनके साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाता है, तथा उन्हें समाज में हाशिये पर पड़े वर्गों में से एक माना जाता है।
(ii) कई लोग उन्हें, उत्पीड़न करने वाला या कभी-कभी उपेक्षित मानते हैं, जो जानबूझकर हर जगह, भीख माँगते हैं।
- इस दृष्टिकोण का कारण, उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति है, जिसके कारण उनके रोजगार के

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अवसर कम हैं, व लोग उनके प्रति पूर्वाग्रह की भावना से भरे होते हैं।

(b) → इस स्थिति में, बिना मजिस्ट्रेट द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं :-

(i) ट्रांसजेंडर एक्ट के से बातचीत करना व उन्हें समझाना कि ऐसा करने से यातायात की प्रबंधन की समस्या व लोगों द्वारा उत्पीड़न की शिकायत की जा रही है।

गुण :- बातचीत द्वारा इस समस्या का समाधान करना सही कदम होगा।

दोष :- संभव है कि इस प्रक्रिया का उचित परिणाम न निकले।

(ii) लोगों की शिकायत को आधार बनाते हुए, ट्रांसजेंडरों को

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस संबंध में चेतावनी देना।

गुण :- इससे संभव है कि ट्रांसजेंडर समुदाय, यातायात जंक्शन पर भीख मांगना छोड़ देगा।

दोष :- उनकी आजीविका संबंधी समस्या का समाधान नहीं हुआ।

(iii) ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को, विभिन्न कौशल सिखाने के संबंध में, NGO's के साथ मिलकर प्रयास करना तथा उनके लिए आजीविका के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराना।

गुण :- यह इस समस्या का उचित समाधान होगा।

दोष :- संभव है कि, उनमें से कई, कोई नया कार्य करने के इच्छुक न हों।

उच्चतम न्यायालय ने, नालसा वाद में ट्रांसजेंडरों को तृतीय लिंग करार दिया था तथा उन्हें, पिछड़े वर्ग (OBC) के

अंतर्गत आरक्षण देने संबंधी निर्णय दिया था।

आवश्यकता है कि इस निर्णय को समुचित सरकारी प्रयास द्वारा लागू किया जाए, ताकि ट्रांसजेंडरों की आर्थिक-सामाजिक अवस्था में पर्याप्त सुधार हो

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Mr. X is the head of an NGO working in the field of environment conservation and protection. He is in dire need of funds for the NGO's operations and payments to his staff. He is approached by an official of a large infrastructure company, who is ready to provide the required funding for the NGO. But, in a quid pro quo, he asks Mr. X to raise objections over the bypassing of Environmental Impact Assessment (EIA) norms in an ongoing PPP project through his NGO. This project is being implemented by a rival infrastructure company. Mr. X knows that there have been instances of high level corruption in the process of granting EIA to mega projects and the information provided by the official seems to be authentic. Hence, he accepts the money and agrees to raise the objection.

(a) Considering the circumstances of the case, is Mr. X correct in accepting the money? Give appropriate reasons for your answer.

(b) If you were in place of Mr. X, what would have been your course of action? Give reasons for it. 20

श्री एक्स पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा के क्षेत्र में कार्यरत एक NGO (गैर सरकारी संगठन) के प्रमुख हैं। उन्हें NGO के संचालन और कर्मचारियों को भुगतान करने हेतु धन की अत्यन्त आवश्यकता है। एक बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी का एक अधिकारी उनसे संपर्क करता है। कंपनी NGO के लिए आवश्यक फंड उपलब्ध कराने को तैयार है। लेकिन उसके बदले वह कंपनी यह चाहती है कि श्री एक्स अपने NGO के माध्यम से चल रही PPP परियोजना में पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) मानदंडों की अवहेलना पर आपत्तियां उठाएं। यह परियोजना प्रतिद्वंद्वी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी द्वारा कार्यान्वित की जा रही है। श्री एक्स को पता है कि बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए EIA प्रदान करने की प्रक्रिया में उच्च स्तरीय भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं और अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी प्रामाणिक प्रतीत होती है। इसलिए, वह धन स्वीकार कर लेते हैं और आपत्ति उठाने के लिए सहमत हो जाते हैं।

(a) प्रकरण की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, क्या श्री एक्स का धन स्वीकार करना सही है? अपने उत्तर के लिए उचित कारण दीजिए।

(b) यदि आप श्री एक्स के स्थान पर होते, तो आप क्या कदम उठाते? इसके कारण बताइए।

- पर्यावरण प्रभाव आंकलन (EIA) का उद्देश्य, विभिन्न परियोजनाओं के कारण होने वाले, पर्यावरणीय

क्षति का आंकलन कर, उसे कम करने का प्रयास करना है।

(i) → मि. X के, द्वारा धन स्वीकार कर, चल रही, PPP परियोजना पर प्रश्नचिन्ह लगाना, सही है या गलत, इसके संबंध में निम्नलिखित कारण प्रस्तुत है :-

(a) चूंकि मि X को NGO के संचालन व कर्मचारियों को भुगतान हेतु धन की आवश्यकता है, तथा इस समय यहीं उनकी मुख्य चिंता है, इसलिए धन स्वीकारना उचित हो सकता है।

— कर्मचारियों को धन न देने से उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) यह अनैतिक है, क्योंकि इसका अर्थ हुआ कि मि. x ने 1 धन को स्वीकार कर, PPP परियोजना पर प्रश्नचिन्ह लगाए हैं, यों उनको पर्यावरण संरक्षक की भूमिका पर प्रश्नचिन्ह लगाता है।

(b) → यदि मैं, मि. x के स्थान पर होता, तो निम्नलिखित कदम उठाता :-

(i) धन अस्वीकार करना, क्योंकि यह NGO के उद्देश्य को, लाभ कमाने से जोड़ता है।
- NGO खोलने का उद्देश्य, दो कंपनियों के विवाद में लाभ कमाना नहीं था।

(ii) धन स्वीकार करना, क्योंकि इस समय सर्वाधिक आवश्यकता कर्मचारियों को वेतन भुगतान

व NGO के संचालन की हैं,
(iii) ~~कोई~~ ~~बदला~~ नहीं ~~बदला~~, ~~बदल~~
PPP परियोजना के EIA पिछ
यान की प्रक्रिया पर प्रश्नचिन्ह
लगाना, हालाँकि इस हेतु
कंपनी से धन स्वीकार नहीं
करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. You are a civil servant posted in a state where elections were recently held. The newly elected Chief Minister had promised to ban alcohol in several of his election campaigns as well as his election manifesto, which was widely praised and supported by women of the state. Fulfilling his electoral promise, the Chief Minister has ordered a blanket ban on the sale of alcohol in the state. Following the ban, concerns have been raised about the feasibility of the ban and whether the government should interfere in what is considered by many to be a matter of personal choice.

(a) Who are the stakeholders in this case and how are they affected by the ban?

(b) Is blanket ban on alcohol a feasible action?

(c) Identify the issues that may arise while enforcing the ban and the steps you will take to handle them, as a civil servant. 25

आप एक ऐसे राज्य में सिविल सेवक के रूप में तैनात हैं जहां हाल ही में चुनाव हुए थे। नव निर्वाचित मुख्यमंत्री ने अपने कई चुनावी अभियानों के साथ-साथ चुनाव घोषणापत्र में शराब पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया था, जिसकी राज्य की महिलाओं ने व्यापक रूप से प्रशंसा की थी और समर्थन दिया था। अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए, मुख्यमंत्री ने राज्य में शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबन्ध का आदेश दिया है। प्रतिबंध के बाद, प्रतिबंध की व्यवहार्यता पर प्रश्न उठाए गये हैं और क्या सरकार द्वारा शराब पर प्रतिबन्ध जिसे कई लोगों द्वारा व्यक्तिगत पसंद का विषय बताया गया है, उस मुद्दे पर हस्तक्षेप करना चाहिए।

(a) इस मामले में हितधारक कौन हैं और प्रतिबंध से वे किस प्रकार प्रभावित हैं?

(b) क्या शराब पर पूर्ण प्रतिबन्ध एक व्यवहार्य कार्रवाई है?

(c) एक सिविल सेवक के रूप में इन प्रतिबंधों को लागू करते समय उत्पन्न होने वाली समस्याओं की पहचान करें और उनसे निपटने हेतु आप क्या कदम उठाएंगे।

→ भारत के संविधान के नीति निदेशक तत्वों में मद्यपान पर निषेध संबंधी उपबंध उल्लिखित है। विभिन्न राज्य सरकारें, चुनावी वादों को पूरा करने अथवा गांधीवादी सिद्धांतों को अपनाते

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हुए, मद्यपान पर प्रतिबंध लगाती रही हैं। उदाहरण :- गुजरात, केरल, बिहार।

(a) → इस मामले में विभिन्न हितधारक निम्नलिखित हैं :-

(i) जनता :- शराब पर प्रतिबंध लगाने का राज्य सरकार का निर्णय, लोगों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता व खान-पान पर प्रतिबंध के संबंध में देखा जाता है। — हालांकि इस प्रतिबंध से जनता का कुछ वर्ग प्रसन्न भी होगा — महिलाएं।

(ii) सरकार :- शराब निर्माण से होने वाली राजस्व आय, व इसकी बिक्री से होने वाली आय, राज्य के राजस्व संसाधनों का प्रमुख स्रोत है, जिससे सरकार वंचित हो जाएगी।

(b) → भारत के विभिन्न राज्यों में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध है - उदाहरण गुजरात।

- हालाँकि मद्यपान निषेध व इससे संबंधित प्रतिबंध, नागरिकों की स्वतंत्रता व राज्य के पितृसत्तात्मक व्यवहार के मध्य संघर्ष को दिखाता है।

-

- अनुभवों से यह पता चलता है कि, शराब पर पूर्ण प्रतिबंध किसी भी स्थिति में पूर्णतः लागू नहीं होता।

- यह अवैध शराब निर्माण प्रक्रिया, स्मगलिंग को बढ़ावा देता है, क्योंकि सरकार के पास इतने संसाधन नहीं होते कि वह इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दे।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(C) → सिविल सेवक को शराब पर प्रतिबंधों को लागू करने में निम्नलिखित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है :-

(i) अवैध शराब निर्माण या नकली शराब निर्माण को रोकना, बेहद मुश्किल होगा।

(ii) पड़ोसी राज्यों से शराब की आवा-जाही रोकने हेतु, सीमावर्ती जिलों में, चौकसी और बढ़ानी होगी, तथा संभव है कि इतना मानव संसाधन उपलब्ध न हो तथा आम लोगों को असुविधा होगी

(iii) अवैध शराब की भट्ठियों पर छापे मारना, तथा दोषियों को गिरफ्तार करना, चुनौतीपूर्ण कार्य होगा तथा अक्सर वे गरीब लाचार के होते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

* निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:-

(i) विभिन्न संचार माध्यमों -समाचार-पत्रों, रेडियो, टीवी के माध्यम से शराब प्रतिबंध के संबंध में जनता को अवगत करना।

(ii) अवैध शराब निर्माण के आरोप में पकड़े गए दोषियों को कानूनी प्रक्रिया के अंतर्गत सम्मिलित करना।

(iii) शराब के अवैध व्यापार पर रोक लगाने हेतु सीमावर्ती जिलों में व्यापक जाँच व वाहनों की छान-बीन करना, हालांकि इससे आम लोगों को असुविधा होगी।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Regulation and procedure of human clinical trials vary from nation to nation. Stem cell research, as an emerging biomedical field, requires approval for human trials and encounters multiple challenges. You are the head of a team of scientists who developed a new Tissue Engineering system, which appears to be a promising means of regenerating heart tissue. Trials of the system have already been conducted on animals and yielded good results. Millions of people suffering from critical heart diseases would benefit immensely if this medication is immediately made available to them. However, you need to conduct human clinical trials before it could be commercialised. It is also known that the stringent regulatory environment in the country will mean that human trials and final approval will take many years before it is made commercially available. On the other hand, regulation of clinical trials in many poor countries is weak and quick approval is possible. Many of your competitors also resort to human trials in these countries, often bribing the officials for getting quick approvals.

Given this situation, answer the following questions:

(a) Identify the ethical issues which arise during clinical trials.

(b) Given the above situation, would you prefer to shift human trials to a third country where regulations are lax? Give reasons in support of your choice.

(c) Suggest a framework of standard procedure to minimise ethical conflicts and speed-up the approval process of new medicines. 25

मानव पर नैदानिक परीक्षण (clinical trials) के विनियम और प्रक्रियाएं राष्ट्र दर राष्ट्र भिन्न हैं। एक उभरते बायोमेडिकल क्षेत्र के रूप में स्टेम सेल शोध के लिए मानवीय परीक्षणों हेतु स्वीकृति की आवश्यकता होती है और इसे चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आप वैज्ञानिकों के एक दल के नेतृत्वकर्ता हैं जिन्होंने एक नई टिश्यू इंजीनियरिंग सिस्टम विकसित किया है जो हृदय के उत्तकों (टिश्यूज) को पुनः पैदा करने हेतु आशावान साधन नजर आता है। इस सिस्टम का पहले ही जानवरों पर परीक्षण किया जा चुका है और उसके अच्छे परिणाम मिले हैं। गंभीर हृदय रोगों से जूझते लाखों-लाख लोगों को इसे अत्यधिक लाभ होगा यदि यह इलाज उनके लिए शीघ्र उपलब्ध करा दिया जाता है। हालांकि इसके वाणिज्यीकरण से पूर्व मानव पर नैदानिक परीक्षण करने की आवश्यकता होती है। यह भी ज्ञात है कि इसके वाणिज्यिक रूप से (बाजार में) उपलब्ध होने से पूर्व देश में विनियमन संबंधी कठोर वातावरण के कारण मानवीय परीक्षण और अंतिम स्वीकृति में वर्षों लग जाएंगे। वहीं दूसरी ओर बहुत से गरीब राष्ट्रों में नैदानिक परीक्षण सम्बन्धी विनियमन ढीले हैं और शीघ्र स्वीकृति संभव है। आपके बहुत-से प्रतिद्वंदी भी नैदानिक परीक्षण हेतु प्रायः ऐसे राष्ट्रों का रुख करते हैं जहां वे अधिकारियों को रिश्वत दे कर शीघ्र स्वीकृति प्राप्त कर लेते हैं।

दी गई परिस्थिति के अनुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) नैदानिक परीक्षण के दौरान उभरने वाले नौतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) दी गई उपर्युक्त परिस्थिति में, क्या आप मानवीय परीक्षणों को किसी तीसरे देश में स्थानांतरित करना पसंद करेंगे जहां विनियमन ढीले हैं? अपने चयन हेतु कारण दीजिए।

(c) नैतिक संघर्ष को कम करने एवं नई दवाइयों हेतु स्वीकृति की प्रक्रिया को तीव्र करने के लिए मानक प्रक्रिया का एक प्रारूप सुझाइए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ (a) मैदानिक परीक्षण के दौरान उभरने वाले नैतिक मुद्दे निम्नलिखित हैं :-

(i) मनुष्य का साधन के रूप में प्रयोग (साध्य-साधन विवाद)

(ii) बिना पूर्व सहमति किसी व्यक्ति पर मैदानिक परीक्षण, उसके मूलभूत मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

(iii) अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में उत्पन्न होने वाला नैतिक मुद्दा, अमीर बनाम गरीब देश।

(b) → उपर्युक्त परिस्थिति में, निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं :-

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(i) किसी तीसरे देश में, जहाँ मानवीय नैदानिक परीक्षण हेतु विनियमन ढीले हैं, वहाँ स्थानांतरित करना।

गुण :- अंततः इस नैदानिक परीक्षण का लाभ मानव जाति को ही प्राप्त होगा।

दोष :- नैदानिक परीक्षण हेतु किसी व्यक्ति का साधन के रूप में प्रयोग, वह भी बिना उपयुक्त जानकारी के, नैतिक मूल्यों व मानवाधिकारों का उल्लंघन होगा।

(ii) अपने देश में ही, नैदानिक परीक्षण हेतु स्वीकृति प्राप्त करना।

गुण :- इससे किसी अन्य देश में, नैदानिक परीक्षण हेतु जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दोष :- इस प्रक्रिया में वर्षों लग सकते हैं, तथा प्रतिस्पर्धी कंपनियाँ इस परिस्थिति का लाभ उठा सकती हैं।

(iii) किसी तीसरे देश में जहाँ, नैदानिक परीक्षण हेतु विनियमन प्रक्रिया ढीली हो, लोगों को बताकर, नैदानिक परीक्षण करना

गुण :- लोगों को अपने उत्पाद के संबंध में पूर्ण जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है, तथा संभव है कुछ लोग इसे स्वीकृति दे दें।

दोष :- संभव है, जानकारी प्राप्त होने के बाद, व्यक्ति नैदानिक परीक्षण करने की अनुमति न दे।

(c) → इस संबंध में निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:-

(i) वैसी ~~[illegible]~~ तकनीक जिसके प्रयोग से, जनसंख्या के एक बड़े तबके को लाभ पहुँचे, इनके परीक्षण को स्वीकृति देने की प्रक्रिया तीव्र करने की आवश्यकता है।

(ii) अन्य देशों - विशेषकर गरीब देशों में नैदानिक परीक्षणों को रोकने हेतु, समुचित प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ भी लिखें)